

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

- Note :-- Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in *Sanskrit* or in *Hindi* or in *English*, but the same medium should be used throughout the paper.
- टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परंतु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer All questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ग) (i) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये। स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥ कृमिकुलचितं लालाक्लिन्नं विगन्धिजुगुप्सितं, (ii)निरुपमरसं प्रीत्या खादन्नरास्थि निरामिषम्। सुरपतिमपि श्वा पार्श्वस्थं विलोक्य न शङ्कते, न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्॥ शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो (iii) नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ। व्याधिर्भेषजसङ्ग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्॥ साहित्यसङ्गीतकलाविहीन: साक्षात्पशु: पुच्छविषाणहीन:। (iv) तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥ सप्रसंग व्याख्या कीजिये : Explain with reference to the context : वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृत धार्यते क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥ अथवा

तेजस्विमध्ये तेजस्वी दवीयानपि गण्यते।

पञ्चमः पञ्चतपसस्तपनो जातवेदसाम्॥

2. ·

(2) में मे **टो-टो** श्लोकों का अ 7048

निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से **दो-दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिये : 6×5=30

Translate two shlokas from each part :

(क) (i) वागर्थाविव संपृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये। जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

- (ii) रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन्।तद्गुणै: कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदित:॥
- (iii) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महार्भुजः। आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः॥
- (iv) प्रजानां विनयाधानाद्रक्षणाद्भरणादपि।
  स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतव:॥
- (ख) (i) सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वाङ्गस्कन्धपञ्चकम्।
  सौगतानामिवात्मान्यो नाऽस्ति मन्त्रो महीभृताम्॥
  (ii) तृप्तियोग: परेणाऽपि महिम्ना च महीयसाम्।
  - (ग) पुरिश्विभिः परणाऽपि माहम्मा च महायसाम्। पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः॥
  - (iii) सम्पदा सुस्थिरंमन्यो भवति स्वल्पयाऽपि य:। कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम्॥
  - (iv) तुल्येऽपराधे स्वर्भानुर्भानुमन्तं चिरेण यत्।
    हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम्॥

P.T.O.

7048

7048

## अथवा

तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्वयक्तिहेतव:। हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा॥ निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर निबन्ध लिखिये : 2×10=2( Write essay on any two of the following : (i) मूर्खस्य नास्त्यौषधम्

(ii) दिलीप का चरित्र-चित्रण

(iii) कालिदास की शैली

(iv) माघे सन्ति त्रयो गुणा:

महाकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिये : 1 Throw light on the origin and development of the 'Mahākāvya

## अथवा

प्रमुख गीतिकाव्यों पर निबन्ध लिखिये। Write an essay on main Gitikavyas. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : 2×4 Write short notes on any two of the following : अर्श्वघोष, गीतगोविन्दम्, नैषधीयचरितम्, भारवि

5.

3.

4.

4